MAULANA AZAD NATIONAL URDU UNIVERSITY

PROGRAMME: B.A. (HINDI)

III- SEMESTER EXAMINATIONS JANUARY-2021

PAPER CODE: BAHN311CCT

PAPER TITLE: आधुनिक हिंदी कविता (AADHUNIK HINDI KAVITA)

TIME: 3 HOURS **TOTAL MARKS: 70**

यह प्रश्न पत्र तीन भागों में विभाजित है. भाग-1 भाग-2 और भाग-3 प्रत्येक प्रश्न का उत्तर निर्धारित शब्दों में दीजिये. सभी प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

भाग-1

1. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में दीजिये। **10X1=10**

i. 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल' पंक्तियाँ किस कवि की हैं ?

ii. 'आंसू' कविता के कवि का नाम लिखिए।

iii. 'आदर्श जन संसार में इतने कहाँ पर हैं हुए' पंक्ति में किस देश का वर्णन है ?

iv. हिंदी खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य कौनसा है ?

v. 'अज्ञेय का पूरा नाम लिखिए।

vi. 'शासन की बन्दूक' कविता किस कवि की है ?

vii. 'माँ' और 'पुरूष' कविता किसने लिखी ?

viii. जयशंकर प्रसाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

ix. 'आँगन के पार द्वार' किसकी कविता है ?

x. 'गुलाबी चूड़ियाँ' के रचयिता का नाम लिखिए।

P.T.O

भाग-2

निम्नलिखित आठ प्रश्नों में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना अनिवार्य है। **5X6=30**

2. 'हमारा देश' नामक कविता का वर्णन कीजिये।

3. 'किरन धेनुए' कविता की विशेषताओं पर विचार कीजिये।

4. जयशंकर प्रसाद का जीवन परिचय लिखिए।

5. आधुनिक हिंदी कविता की विशेषताओं पर एक संक्षिप्त नोट लिखिए।

6. 'प्रिय प्रवास' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. 'आंसू' कविता के मूल भाव को स्पष्ट कीजिये।

8. 'माँ' कविता का सारांश लिखिए।

9. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना अनिवार्य है। **3X10=30**

10. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये-

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
बिन निज भाषाज्ञान के-, मिटत न हिय को सूल।

पढ़ो लिखो कोउ लाख विधि, भाषा बहुत प्रकार।
पै जबही कुछ सोचिहौ, निजभाषा अनुसार।।

निज भाषा, निज धरम, निज मान करम व्यौहार।

सबै बढ़ावहु बेगि मिलि कहत पुकार-पुकार।।

11. 'सरोज स्मृति' कविता का विस्तृत वर्णन कीजिये।

P.T.O

12. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिये-

जो घनीभूत पीड़ा थी

मस्तक में स्मृति सी छाई

दुर्दिन में आँसू बनकर

वह आज बरसने आई।

13. 'गुलाबी चूड़ियाँ कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

14. निम्नलिखित कवियों का संछिप्त जीवन परिचय दीजिये।

क. मैथिलीशरण गुप्त ख. नागार्जुन

****